(b) All the rayon yarn factories are running on a continuous work basis and and the usual working hours of workers on shift basis are applicable.

STATEMENT

S. No.	Name of the Factory	State in which located	Number of workers employed
1	2	3	4
	Rayon filament Yarn		
1.	Baroda Rayon Corporation Ltd., Surat	Gujarat	1611
2.	Century Rayon, Bombay	Maharashtra	3976
3.	J. K. Rayon, Kanpur	U.P.	1400
4.	Indian Rayon Corporation Ltd., Veraval	Gujarat	1100
5.	Kesoram Rayon Ltd., Calcutta	West Bengal	1583
6.	National Rayon Corporation Ltd., Bombay	Maharashtra	5358
7.	South India Viscose, Coimbatore	Madras	1200
8.	Travancore Rayon, Travancore	Kerala	1653
	Acetate Rayon Yarn		
	SIR SILK Ltd., Sirpur	Andhra Pradesh	3200

भोपाल को जाने वाली इलाहाबाद यात्री गाड़ी

5686. **श्री जगन्नाथ राव जोशी :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह अयरवाल :
श्री शारदा नन्द :
श्री भारत सिंह चौहान :
श्री रणजीत सिंह :
श्री विश्वनाथ पाण्डेय :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जबलपुर के समीप इमालिया गांव के पास 24 अप्रैल, 1967 को 6 लोग भोपाल को जाने वाली इलाहाबाद यात्री गाड़ी के नीचे आकर कुचले गये थे ;

(ख) यदि हां, तो इस दुर्घटना के क्या कारण थे ; और

(ग) इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

1358 (Ai) LSD—4.

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) सम्भवतः आशय उस दुर्घटना से है जिसमें 23-4-67 को लगभग 17.00 बजे, 6 व्यक्ति 388 अप इलाहाबाद-भुसावल सवारी गाड़ी के नीचे आ गये । ये लोग मध्य रेलवे के अधरताल और देवरी स्टेशनों के बीच 1001/2-3 किलोमीटर पर परियत पुल को अनधिकृत रूप से पार कर रहे थे ।

(ख) ये व्यक्ति उस समय रेलवे पुल को पार कर रहे थे जब कि सामने से गाड़ी आ रही थी और वे अपनी असावधानी के कारण गाड़ी के नीचे आ गये और मारे गये ।

(ग) सवाल नहीं उठता ।

सीतलपुर के निकट आसाम मेल रेलगाड़ी की दुर्घटना

5687. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :

क्या रेलवे मंत्री 27 मार्च, 1967 के अल्प सूचना प्रश्न सख्या 2 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सीतलपुर स्टेशन के निकट पूर्वोत्तर रेलवे की आसाम मेल रेलगाड़ी की दुर्घटना की जांच पूरी हो चुकी है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसमें और कितना समय लगने की संभावना है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) और (ख). जांच समिति के निष्कर्ष के अनुसार, दुर्घटना कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा रेल-पथ से छेड़-छाड़ करने के कारण हुई । कोई रेल कर्मचारी इसके लिये उत्तरदायी नहीं ठहराया गया ।

(ग) सवाल नहीं उठता ।

रेशम उत्पादन केन्द्र

5688. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री राम सिंह अयरवाल :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश में भिन्न भिन्न राज्यों में रेशम उत्पादन केन्द्र कितने हैं;

(ख) गैर-सरकारी तथा सरकारी रेशम उत्पादन केन्द्र कितने हैं;

(ग) सरकार ने रेशम उत्पादन करने वाले लोगों को क्या प्रोत्साहन दिया है ; और

(घ) सरकारी तथा गैर-सरकारी रेशम उत्पादन केन्द्रों में उत्पादन तथा व्यय का अनुपात क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री शफी कुरेशी) : (क) और (ख). एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है ।

[पुस्तकालय में रखा गया । देखिये संख्या LT/–1048/67]

(ग) रेशम उत्पादकों को विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा जो सहायता तथा प्रोत्साहन दिये गये हैं उनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:—

(1) शहतूती कलमों, पौध तथा सांकुर कलमों का यथा लब्ध मात्रा में निशुल्क दिया जाना ।

(2) रोगमुक्त रेशम कीट अंडों का वर्तमान रेशम उत्पादन क्षेत्रों में उचित दरों पर, तथा नये क्षेत्रों में निशुल्क दिया जाना ।

(3) सरकारी कोया बाजारों की स्थापना द्वारा कोयों के विपणन के लिये सुविधाएं ।

(4) टसर कोया उत्पादकों को उचित मूल्य सुनिश्चित कराने के लिये केन्द्रीय रेशम बोर्ड मूल्य समर्थक योजना चला रहा है ।

(5) कुएं खोदने तथा कोया पालन-पोषण गृहों आदि के निर्माण के लिये ऋणों तथा उपदानों की स्वीकृति ।

(6) उपदान प्राप्त दरों पर कोया पालन पोषण के उन्नत उपकरणों, रेशम लपेटने तथा कातने की मशीनों का संभरण ।

(7) कोयों के पालन पोषण, रेशम लपेटने तथा कातने की आधुनिक विधियों में तकनीकी मार्ग-दर्शन ।

(8) रेशम कीट अंडों की बजाय चौकी कीटों का संभरण ।

(9) रेशम उत्पादकों के लाभ के लिये सहकारी समितियों का संगठन ।